# हैदराबाद मुक्ति दिवस

तेलंगाना सरकार और केंद्र सरकार 17 सितंबर, 2022 को हैदराबाद की मुक्ति के 75 वर्ष पूर्ण होने का आयोजन मनाएँगे, जो निज़ाम शासन के तहत भारतीय संघ के साथ तत्कालीन हैदराबाद राज्य के विलय को दर्शाता है।

## हैदराबाद रियासत के भारत में एकीकरण का इतिहास:

- हैदराबाद भारत के **सबसे बड़े मूल निवासी/रियासतों में से एक** था। यह निजाम द्वारा शासित था जिन्होंने **ब्रिटिश संप्रभु की सर्वोच्चता को स्वीकार** किया था।
- **जूनागढ़ के नवाब** और **कश्मीर के शासक** की तरह हैदराबाद के निज़ाम भारत को आज़ादी यानी 15 अगस्त, 1947 से पूर्व भारत में शामिल नहीं हुए थे।
- उन्हें पाकिस्तान और मुस्लिम मूल के नेताओं द्वारा **एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में अपना अस्तित्व** बनाये रखने और **एकीकरण का विरोध करने** के लिये अपने सशस्त्र बलों में सुधार करने के लिये प्रोत्साहित किया गया था।
- इस सैन्य सुधार के दौरान, हैदराबाद राज्य में **आंतरिक अराजकता का उदय** हुआ, जिसके कारण **13 सितंबर, 1948** को भारतीय सेना को **'ऑपरेशन पोलो' (हैदराबाद को भारत संघ में मिलाने के लिये सैन्य अभियान)** के तहत हैदराबाद भेजा गया था, क्योंकि हैदराबाद में कानून-व्यवस्था की स्थिति ने **दक्षिण भारत की शांति के लिये खतरा** पैदा कर दिया।
    - सैनिकों को रज़ाकारों (एकीकरण का विरोध करने वाले निजी मिलिशिया) के हल्के-फुल्के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा और **13-18 सितंबर के मध्य सेना ने राज्य पर पूर्ण नियंत्रण** कर लिया।
    - ऑपरेशन के कारण **बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक हिंसा** हुई, जिसमें 27,000-40,000 लोगों की मौत का अनुमान लगाया गया था, जिसमें 200,000 या उससे अधिक के विद्वान थे।
- एकीकरण के बाद निज़ाम को वही दर्जा प्रदान किया गया था, जो भारत के साथ विलय करने वाले अन्य राजाओं को प्राप्त था ।
- पाकिस्तान द्वारा इस संदर्भ में **संयुक्त राष्ट्र में की गई शिकायतों को भी अस्वीकार** कर दिया गया और पाकिस्तान के ज़ोरदार विरोध तथा अन्य देशों की कड़ी आलोचना के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इस मामले में आगे हस्तक्षेप नहीं किया, **अंततः हैदराबाद का भारत में विलय** हो गया।

**Q. भारतीय इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**

1. हैदराबाद राज्य से अर्काट की निज़ामत का उदय हुआ।
2. मैसूर साम्राज्य का उदय विजयनगर साम्राज्य से हुआ।
3. रोहिलखंड साम्राज्य अहमद शाह दुर्रानी के कब्ज़े वाले क्षेत्रों से बना था।

**नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:**

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 3

**उत्तर: (a)**

**व्याख्या:**

- कर्नाटक का निजामत (अर्काट) मुगल दक्कन के सूबा (अधीन क्षेत्र) में से एक था और हैदराबाद के निजाम के कानूनी दायरे में था। बाद में हैदराबाद से अर्काट का उदय हुआ। **अत: कथन 1 सही है।**
- यदु वंश 1399 ई. में मैसूर में सत्ता में आया। विजयनगर साम्राज्य के एक सामंत, यदु वंश ने मैसूर के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। विजयनगर साम्राज्य के पतन के बाद मैसूर 1565 ईस्वी में हिंदू वॉडयार राजवंश के तहत एक स्वतंत्र राज्य बन गया। 1761 में, हैदर अली ने मैसूर में पुन: प्राप्त राजवंश को उखाड़ फेंका और उस राज्य पर अपना नियंत्रण स्थापित किया जो 1782 में टीपू सुल्तान द्वारा सफल हुआ था। **अत: कथन 2 सही है।**

- रोहलिखंड का राज्य एक शक्तिशाली भारतीय राज्य था, नाममात्र मुगल आधिपत्य के तहत, जो 1721 में मुगल साम्राज्य के पतन के तहत उदय हुआ और 1774 तक अस्तित्व में रहा, जब अंग्रेज़ों ने अपनी कम सीमाओं को रामपुर की रियासत में बदल दिया। प्राचीन बरहा राजवंश के वंशज नवाब अली मोहम्मद खान रोहलिखंड के पहले नवाब बने। रोहलिखंड की अधिकांश सीमाएँ अली मोहम्मद खान द्वारा स्थापित की गईं और बड़े पैमाने पर अवध राज्य की शक्ति अस्तित्व में आईं। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

## स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/hyderabad-liberation-day